

PGIIS-2001 A-19

M.A. II - Semester Degree Examination

SANSKRIT

(Sanskrit Poetry)

Prescribed Text :- Raghuvamsa of Kālidāsa (Canto I)

Paper - H.C. 2.1

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 80

सूचना: सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

- I. कालिदासस्य शौलिमधिकृत्य प्रबन्धमारचयत। (16)
(अथवा)
कालिदासस्य देश-काल कृतिविषये प्रबन्धमारचयत।
- II. महाकाव्येषु रघुवंशस्य महत्त्वं किम्? विवृणुत। (16)
(अथवा)
दिलीपोदितं सन्तानविहीनस्य राज्ञः दशान् वर्णयत।
- III. दिलीपस्य गुणवर्णनं कुरुत। (16)
(अथवा)
रघूणां अन्वयं ग्रन्थोक्तदिशा विशदयत।
- IV. चतुर्णां ससन्दर्भं विवृणुत। (4×4=16)
- 1) लितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम्।
 - 2) यशसे विजिगीषूणां प्रजायै गृहमेधिनाम्।
 - 3) सहस्रगुण मृत्सष्टुमादत्ते हि रसं रविः।
 - 4) गुणा गुणानुबन्धित्वात्तस्य सप्रसवा इव।
 - 5) अपि लङ्घितमध्वानं बुबुधे न बुधोपमः।
 - 6) बिभ्रती श्वेतरोमाङ्गं सन्ध्येव शशिनं नवम्।

V. चतुर्णां टिप्पणीः लिखत।

- 1) नन्दिनी।
 - 2) वसिष्ठाश्रमः।
 - 3) दिलीपस्य राज्यभारवर्णनम्।
 - 4) कुलकश्लोकाः।
 - 5) रघुवंशः।
 - 6) महाकाव्यलक्षणम्।
-

Roll No. _____

[Total No. of Pages : 1

PGIIS-2002 A-19

M.A. II - Semester Degree Examination

SANSKRIT

Linguistics (Indo - European)

Paper - H.C. 2.2

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 80

सूचना: सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

I. एषु चत्वारि उत्तरयत।

(4×16=64)

- 1) भाषोत्पत्तिवादानधिकृत्य प्रबन्धमेकं लिखत।
- 2) भाषाशास्त्रंप्रति प्राचीनभारतीयानां उपायनं विवृणुत।
- 3) अर्थपरिवर्तनं नाम किम्? विवृणुत।
- 4) भाषायाः वांशिकवर्गीकरणं अधिकृत्य प्रबन्धमारचयत।
- 5) वर्णानां स्थानप्रयत्नविवेकं विवृणुत।
- 6) भाषायाः प्रयोजनमधिकृत्य प्रबन्धमारचयत।

II. चतुर्णां टिप्पणीः लिखत।

(4×4=16)

- 1) वर्णनियमः।
- 2) विषमीकरणम्।
- 3) प्राकृतभाषा।
- 4) इण्डो-यूरोपियन् भाषापरिवारः।
- 5) अर्थविस्तारः।
- 6) स्वरभक्तिः।

PGIIS-2004 A-19

M.A. II - Semester Degree Examination

SANSKRIT

(Alankāraśāstra - II (B))

Prescribed Text : Kāvyaṣṛaśā of Mammata (Ch. I, II & X)

Paper - S.C. 2.2

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 80

सूचना: सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

- I. अलङ्कारशास्त्रे काव्यप्रकाशस्य स्थानं निर्धरत। (16)
(अथवा)
मम्मटस्य देश-काल-कृतिविषये प्रबन्धमारचयत।
- II. मम्मटमते काव्यप्रभेदान् सोदाहरणं विवृणुत। (16)
(अथवा)
लक्षणा तेन षड्विधा। विशदीकुरुत।
- III. मम्मटानुसारेण रूपकालंकारं अथवा अतिशयोक्त्यलङ्कारं सोदाहरणं विवृणुत। (16)
- IV. चतुर्णां ससन्दर्भं विवृणुत। (4×4=16)
- 1) कान्तासम्मिततयोपदेशयुजे।
 - 2) अव्यङ्ग्यं त्वरं स्मृतम्।
 - 3) सर्वेषां प्रायशोऽर्थानां व्यञ्जकत्वमपीष्यते।
 - 4) लक्षणाऽऽरोपिता क्रिया।
 - 5) साधर्म्यं उपमा भेदे।
 - 6) सम्भावनमथोत्प्रेक्षा प्रकृतस्य समेन यत्।

V. चतुर्णां टिप्पणीः लिखत।

- 1) काव्यहेतुः।
- 2) काव्यलक्षणम्।
- 3) अपहृतिः।
- 4) दीपकम्।
- 5) तात्पर्यार्थः।
- 6) गुणीभूतव्यङ्ग्यम्।

PGIIS-2003 A-19

M.A. II - Semester Degree Examination

SANSKRIT

(History of Vedic Literature)

Paper - H.C. 2.3

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 80

सूचना: सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

1. एषु चत्वारि उत्तरयत। (4×16=64)
- 1) ऋग्वेदस्य कालमधिकृत्य प्रबन्धमारचयत।
 - 2) वेदकालीन सामाजिकस्थितिं निरूपयत।
 - 3) यजुर्वेदस्य वैशिष्ट्यं विमर्शयत।
 - 4) ब्राह्मणग्रन्थप्रतिपादित विषयान् संगृह्य लिखत।
 - 5) वेदाङ्गानां महत्त्वं विवृणुत।
 - 6) उपनिषत्प्रतिपादितविषयान् विवेचयत।
2. चतुर्णां टिप्पणीः लिखत। (4×4=16)
- 1) सायणाचार्यः।
 - 2) सामवेदः।
 - 3) आरण्यकम्।
 - 4) अथर्ववेदः।
 - 5) प्रातिशाख्यम्।
 - 6) संवादसूक्तानि।